M.A. IN ECONOMICS : SEMESTER EXAMINATION

2025-26

CREDIT BASED SYSTEM

At post graduate level candidate are required to study 15 papers in Ist, IInd and IIIrd semester (05 papers in each semester) and 04 papers in IVth semester examination. This will be treated as nineteen papers courses structure. So there shall be 19 papers in each post graduate examination in Economics containing 80 credits. Each paper shall carry 100 marks (80 marks for external examination and 20 marks for internal examination). Viva-Voce examination be treated as a compulsory paper for M.A. IVth semester examination. There shall be 2000 marks in M.A. candidates shall have to secure 36% marks in aggregate of all papers in order to pass the M.A. examination.

M.A. SEMESTER-I — MAEC 001

PAPER	TITLE OF THE PAPER	CREDITS
PAPER-I	Micro Economics	04
PAPER-II	Macro Economics	04
PAPER-III	Quantitative Methods	04
PAPER-IV	Indian Economy	04
PAPER-V	Industrial Economics	04
PAPER-V	Agriculture Economics (Optional)	04
	TOTAL CREDITS	20

M.A. SEMESTER-II — MAEC 002

PAPER-I	Micro Economics Analysis	04
PAPER-II	Macro Economics Analysis	04
PAPER-III	Research Methods & Computer Analysis	04
PAPER-IV	Indian Economic Policy	04
PAPER-V	Labour Economics	04
PAPER-V	Rural Co-operation (Optional)	04
	TOTAL CREDITS	20

M.A. SEMESTER-III — MAEC 003

PAPER-I	Economics of Growth	04
PAPER-II	International Trade	04
PAPER-III	Public Finance	04
PAPER-IV	Environmental Economics	04
PAPER-V	Demography	04
	TOTAL CREDITS	20

M.A. SEMESTER-IV — MAEC 004

PAPER-I	Economics of Development & Planning	04
PAPER-II	International Economics	04
PAPER-III	Public Economics	04
PAPER-IV	Economics of Welfare & Social Sector	04
	VIVA VOCE	04
	TOTAL CREDITS	20
TOTAL CREDITS (M.A.) FIRST TO FORTH SEMESTER		80

स्नातकोत्तर अर्थशास्त्र मे कुल 20 प्रश्न पत्र है। एम.ए. के लिए कुल 4 सेमेस्टर होंगे, प्रत्येक कक्षा में 2 सेमेस्टर होंगे। एम.ए. I/II सेमेस्टर में 10 प्रश्नपत्र और III/IV सेमेस्टर में 10 प्रश्नपत्र है। प्रत्येक सेमेस्टर में 5 प्रश्नपत्र एवं प्रत्येक प्रश्नपत्र 100 अंकों का होगा। उत्तीर्ण होने के लिए कुल 36 प्रतिशत अंक प्राप्त करना अनिवार्य होगा। प्रत्येक प्रश्नपत्र में 20 अंक आंतरिक परीक्षा के तथा 80 अंक बाह्य परीक्षा के रहेंगे।

10.7.2025 Dr Sumita

10/7/25 Dr K

10.7.25 Dr Seema Agrawal

Ishwari

सेमेस्टर – I

क्रं.	प्रश्नपत्र	प्रश्नपत्र का नाम	बाहय परीक्षा के अंक	आंतरिक परीक्षा के अंक	कुल अंक
1	प्रथम प्रश्नपत्र	व्यष्टि अर्थशास्त्र (Micro Economics)	80	20	100
2	द्वितीय प्रश्नपत्र	समष्टि अर्थशास्त्र (Macro Economics)	80	20	100
3	तृतीय प्रश्नपत्र	परिमाणात्मक विधियाँ (Quantitative Methods)	80	20	100
4	चतुर्थ प्रश्नपत्र	भारतीय अर्थव्यवस्था (Indian Economics)	80	20	100
5	पंचम प्रश्नपत्र	औद्योगिक अर्थशास्त्र (Industrial Economics)	80	20	100
6	पंचम प्रश्नपत्र	कृषि अर्थशास्त्र (वैकल्पिक) (Agriculture Economics) Optional	80	20	100
		कुल	400	100	500

सेमेस्टर – II

क्रं.	प्रश्नपत्र	प्रश्नपत्र का नाम	बाहय परीक्षा के अंक	आंतरिक परीक्षा के अंक	कुल अंक
1	प्रथम प्रश्नपत्र	व्यष्टि आर्थिक विश्लेषण (Micro Economic Analysis)	80	20	100
2	द्वितीय प्रश्नपत्र	समष्टि आर्थिक विश्लेषण (Macro Economic Analysis)	80	20	100
3	तृतीय प्रश्नपत्र	शोध प्रविधि एवं कम्प्यूटर विश्लेषण (Research Methods & Computer Analysis)	80	20	100
4	चतुर्थ प्रश्नपत्र	भारतीय आर्थिक नीति (Indian Economic Policy)	80	20	100
5	पंचम प्रश्नपत्र	श्रम अर्थशास्त्र (Labour Economics)	80	20	100
6	पंचमं प्रश्नपत्र	ग्रामीण सहकारिता (वैकल्पिक) (Rural Co-operation) Optional	80	20	100
		कुल	400	100	500

10.07.2025

Ishwari

सेमेस्टर – III

क्रं.	प्रश्नपत्र	प्रश्नपत्र का नाम	बाहय परीक्षा के अंक	आंतरिक परीक्षा के अंक	कुल अंक
1	प्रथम प्रश्नपत्र	वृद्धि का अर्थशास्त्र Economics of Growth	80	20	100
2	द्वितीय प्रश्नपत्र	अंतर्राष्ट्रीय व्यापार International Trade	80	20	100
3	तृतीय प्रश्नपत्र	लोक वित Public Finance	80	20	100
4	चतुर्थ प्रश्नपत्र	पर्यावरणीय अर्थशास्त्र Environmental Economics	80	20	100
5	पंचम प्रश्नपत्र	जनांकिकी Demography	80	20	100
		कुल	400	100	500

सेमेस्टर – IV

क्रं.	प्रश्नपत्र	प्रश्नपत्र का नाम	बाहय परीक्षा के अंक	आंतरिक परीक्षा के अंक	कुल अंक
1	प्रथम प्रश्नपत्र	विकास एवं नियोजन का अर्थशास्त्र Economics of Development & Planning	80	20	100
2	द्वितीय प्रश्नपत्र	अंतर्राष्ट्रीय अर्थशास्त्र International Economics	80	20	100
3	तृतीय प्रश्नपत्र	लोक अर्थशास्त्र Public Economics	80	20	100
4	चतुर्थ प्रश्नपत्र	सामाजिक क्षेत्र एवं कल्याणवादी अर्थशास्त्र Economics of Welfare & Social Sector	80	20	100
5	पंचम प्रश्नपत्र	प्रोजेक्ट रिपोर्ट एवं मौखिक परीक्षा (Project Report & Viva Voce)	–	–	100
		कुल	320	80	500

प्रत्येक प्रश्नपत्र में चार यूनिट है। IV सेमेस्टर में पांचवां प्रश्नपत्र प्रोजेक्ट रिपोर्ट एवं मौखिक परीक्षा का होगा। इसी प्रश्नपत्र में 50 अंक मौखिक परीखा का होगा ।

01. Dr. Sumita Shrivastava (HOD)
02. Dr. K. Padmavati (Nominated By Principal)
03. Dr. Seema Agrawal (Nominated By University)
04. Shri Santosh Jain Sarva (Businessman)
05. Dr. Mahesh Shrivastava ([illegible] Prof.)
06. Dr. Meena Prasad (Assist. Prof.)
07. Ku. Ishwari Sharma (Ex. Student)

अर्थशास्त्र
सत्र 2025–26
सेमेस्टर – I
व्यष्टि अर्थशास्त्र
(Micro Economics)
प्रश्नपत्र – प्रथम
PECCT-101

कुल अंक 80

न्यूनतम अंक 16

इकाई – 1 परिचय, आधारभूत अवधारणाएं एवं मांग का विश्लेषण, आधारभूत आर्थिक समस्या–चयन एवं सीमितता, विश्लेषण की निगमन एवं आगमन रीतिया, वास्तविक एवं आदर्शात्मक अर्थशास्त्र, आर्थिक मॉडल, संतुलन एवं असंतुलन प्रणालियों की विशेषताएं, मांग की (कीमत, आड़ी, आय) लोच सैद्धांतिक पक्ष एवं अनुभव सिद्ध प्राक्कलन। पूर्ति की लोच। मांग के सिद्धांत उपयोगिता।

इकाई –2 तटस्थता वक्र (आय एवं प्रतिस्थापन प्रभाव, स्लट्स्की प्रमेय) एवं उनके प्रयोग, उद्घाटित अधिमान सिद्धांत, हिक्स का मांग सिद्धांत का संशोधन, वस्तु दृष्टिकोण की विशेषताएं, उपभोक्ता की बचत, कीमत निर्धारण का आरंभिक सिद्धांत– मांग एवं पूर्ति का संतुलन, उत्पादन का सिद्धांत उत्पादन फलन–अल्पकालीन एवं दीर्घकालीन, परिवर्तनशील अनुपातों का नियम एवं पैमाने के प्रतिफल।

इकाई – 3 समोत्पाद वक्र – आगतों का न्यूनतम लागत संयोग, साधनों का प्रतिफल, पैमाने की बचतें, प्रतिस्थापन की लोच, यूलर का प्रमेय, तकनीकी प्रगति और उत्पादन फलन, कॉब डगलस उत्पादन फलन, लागत एवं आगम विश्लेषण, कीमत एवं उत्पादन निर्धारण में सीमान्त विश्लेषण दृष्टिकोण, पूर्ण प्रतियोगिता –फर्म एवं उद्योग का अल्पकालीन एवं दीर्घकालीन संतुलन, कीमत एवं उत्पादन निर्धारण, पूर्ति वक्र, एकाधिकार अल्पकालीन एवं दीर्घकालीन संतुलन, कीमत विभेद, राशिपातन, कल्याणकारी पक्ष, एकाधिकार नियमन एवं नियंत्रण।

इकाई– 4 एकाधिकृत प्रतियोगिता – संतुलन का सामान्य एवं चैम्बरलिन दृष्टिकोण, फर्म एवं समूह का संतुलन, विभेदीकृत उत्पादन एवं विक्रय लागतों सहित, एकाधिकृत एवं अपूर्ण प्रतियोगिता में अतिरिक्त क्षमता, एकाधिकृत प्रतियोगिता की आलोचना। अल्पाधिकार – गैर समझौता (कूर्नो, बर्ट्रेण्ड एजवर्थ चैम्बरलिन विकुंचित मांग वक्र) मॉडल व्यवस्था एवं समझौता (कार्टेल एवं विलय, कीमत नेतृत्व एवं आधार बिन्दु कीमत व्यवस्था मॉडल)

संदर्भ ग्रंथ :–

1 बंसल एवं अग्रवाल – उच्च आर्थिक सिद्धांत

2. सी.एस.बरला – उच्चतर व्यक्तिगत अर्थशास्त्र

3. एच. एल. आहूजा – उच्चतर व्यष्टिगत् अर्थशास्त्र

4. क्रेप्स, डेविड, एम. (1900) "ए कोर्स इन माइक्रो इकानामिक्स थ्योरी" यूनिवर्सिटी प्रिंसटन

5. Kaut Sayiannis; A (1970) Modern Micro Economics (2nd edition) Memillan Press London.

10.07.2025

Ishwari

अर्थशास्त्र

सत्र 2025–26

सेमेस्टर – I

समष्टि अर्थशास्त्र

(Macro Economics)

प्रश्नपत्र – द्वितीय

PECCT-102

कुल अंक 80

न्यूनतम अंक 16

इकाई – 1	राष्ट्रीय आय एवं लेखांकन राष्ट्रीय आय एवं उत्पादन की अवधारणा आय का चक्रीय प्रवाह, दो तीन व चार क्षेत्रीय अर्थव्यवस्था में राष्ट्रीय आय लेखांकन के विभिन्न रूप सामाजिक लेखांकन, अदा–प्रदा लेखांकन, कोष प्रवाह एवं भुगतान शेष लेखांकन।
इकाई – 2	उपभोग फलन–कीन्स का मनोवैज्ञानिक नियम, अल्पकालीन एवं दीर्घकालीन उपभोग फलन, उपभोग फलन के अनुभव सिद्ध प्रमाण–सापेक्ष आय परिकल्पना, निरपेक्ष आय परिकल्पना, स्थायी आय परिकल्पना एवं जीवन चक्र परिक्रल्पना ।
इकाई – 3	विनियोग फलन–पूंजी व विनियोग की सीमांत क्षमता, विनियोग व्यवहार, बचत एवं विनियोग समानता, त्वरक, गुणक, महागुणक, मुद्रा की पूर्ति, उच्च शक्ति मुद्रा, मुद्रा पूर्ति नियंत्रण, विमुद्रीकरण।
इकाई – 4	मुद्रा की मांग–मुद्रा का परिमाण सिद्धांत, नकद शेष दृष्टिकोण, कीन्स का मुद्रा मांग सिद्धांत, मुद्रा की मांग की कीन्सोत्तर अवधारणा–पेटिनकिन, बामोल, टॉबिन, फ्रिडमैन, गुर्ले–शा।

संदर्भ ग्रंथ :–

1. समष्टि अर्थशास्त्र – जी सी सिघाई
2. मेक्रो अर्थशारत्र – टी.टी. सेठी
3. समष्टिगत अर्थशास्त्र – वीसी सिन्हा
4. Jka R – Contemporary macro economic theory and policy
5. समष्टिगत आर्थिक विश्लेषण – मिश्र एवं गुप्ता
6. मेक्रो आर्थिक विश्लेषण – वार्ष्णेय एवं मिश्रा

अर्थशास्त्र
सत्र 2025–26
सेमेस्टर – I
परिमाणात्मक विधियॉ
(Quantitative Methods)
प्रश्नपत्र – तृतीय
PECCT-103

कुल अंक 80

न्यूनतम अंक 16

इकाई – 1 विषमता – सममिती तथा असममिती वितरण, विषमता की माप – कार्ल पियर्सन का विषमता गुणांक, बाउले का विषमता गुणांक, सहसंबंध–सहसंबंध की माप – कार्ल पियर्सन का सहसंबंध गुणांक, स्पियर मैन का श्रेणी अंतर सहसंबंध, न्यूनतम वर्ग रीति द्वारा सहसंबंध गुणांक, सहसंबंध में संभाव्य एव प्रमाप विभ्रम ।

इकाई – 2 प्रतीपगमन विश्लेषण – प्रतीपगमन एवं सहसंबंध, प्रतीपगमन रेखाएं एवं प्रतीपगमन गुणांक, प्रतीपगमन समीकरण, बहुगुणी प्रतीपगमन विश्लेषण (तीनों चरों में) प्रतीपगमन गुणांक प्रमाप विभ्रम। अन्तर गणन एवं बाह्य गणन – एकेन्द्र वक्र रीति, न्यूटन की प्रगामी अन्तर–रीति, द्विपद विस्तार विधि एवं लेंग्रेज की रीति ।

इकाई – 3 गुण सबंध – अर्थ एव प्रकार, आंकड़ों की संगतता, गुणंसंबंध निर्धारण की रीतिया, अनुपात तुलना रीतिय, यूल का गुण संबंध गुणांक, संभावना–अर्थ एवं परिभाषा, क्रमचय तथा संचय घटनाओं के विभिन्न प्रकार। संभावना की माप योग एवं गुणन प्रमेय, सूचकांक–फिशर का निर्देशांक, उपभोक्ता मूल्य निर्देशांक, जीवन निर्वाह निर्देशांक, समय तथा उत्क्राम्यता परीक्षण।

इकाई – 4 कालश्रेणी विश्लेषण –कालश्रेणी के विभिन्न घटक, अल्पकालीन उच्चावचन, दीर्घकालीन प्रवृत्ति, चल माध्य रीति, अर्द्ध मध्यक रीति, न्यूनतम वर्ग रीति। खेल का सिद्धांत फलन – अर्थ एवं फलन के प्रकार।

संदर्भ ग्रंथ –

1. Gupta S.P. And Others. Quantitative Techniques, Sultan Chanal And Sons, New Delhi

2. Shukla S.M. And S.P. Sabay. Quantitative Methods, Sahitya Bhawan Publication, Agra

3. Chiang A.C. Fundamental Methods of Mathematical Economics, MeGraw Hill, New York

4. Boumol W.J. Economic Theory and Operational Analysis, Prentice Hall, Englewood Cliffs, New Jersey.

5. मेहता एवं मदनानी अर्थशास्त्र में प्रारंभिक गणित लक्ष्मीनारायण अग्रवाल आगर 3

6. Agrawal D.R. Quantitative Methods, Vrinda Publication (P) Ltd.

7. Sancheti, D.C. Quantitative Methods, Sultan Chand and Sons. New Delhi.

8. Monga, G.S. (1972), Mathematics and Statics for Economics, Vikas Publicating House, New Delhi

9. Special, M.R. (1992), Theory and Problems of Statistics, Megraw Hill Book Co. London

Ishwari

10.07.2025

अर्थशास्त्र
सत्र 2025–26
सेमेस्टर – I
भारतीय अर्थव्यवस्था
(Indian Economy)
प्रश्नपत्र – चतुर्थ
PECCT-104

कुल अंक 80

न्यूनतम अंक 16

इकाई – 1 भारत की राष्ट्रीय आय एवं सकल घरेलू उत्पाद (जी.डी.पी.) – सकल घरेलू उत्पाद एवं राष्ट्रीय आय के घटक एवं संरचना, भारत के सकल घरेलू उत्पाद में प्राथमिक, द्वितीयक एवं सेवाक्षेत्र की भूमिका, राष्ट्रीय आय एवं प्रति व्यक्ति आय, सकल घरेलू उत्पाद एवं प्रति व्यक्ति आय की वृद्धि दर भारत में बचत, विनियोग एवं पूँजी निर्माण दर। ग्रामीण क्षेत्र में पूंजी निर्माण, बचत दर, ग्रामीण विकास की रणनीति ।

इकाई – 2 भारतीय जनसंख्या की जनांकिकीय विशिष्टताएं – भारत में जनसंख्या का आकार एवं वृद्धि दर, जनसंख्या में लिंगानुपात आयु–संरचना एवं घनत्व शहरी–ग्रामीण प्रवासन, शहरीकरण एवं नागरिक जरूरते, व्यावसायिक संरचना, जनसंख्या के गुण, राष्ट्रीय जनसंख्या नीति, छत्तीसगढ़ राज्य की जनांकिकी विशेषताएं।

इकाई – 3 भारतीय अर्थव्यवस्था में कृषि विकास – कृषि विकास एवं उत्पादकता, भारत में निम्न उत्पादकता के कारण एवं बढ़ाने के उपाय, संस्थागत संरचना–भारत में भू–सूधार, कृषि में तकनीकी परिवर्तन, हरित क्रांति, हरित क्रांति का द्वितीय चरण, राष्ट्रीय कृषि नीति। छत्तीसगढ़ में कृषि की विशेषताएं। नाबार्ड एवं कृषि वित्त, भारतीय कृषि में क्षेत्रीय विषमताएं।

इकाई – 4 भारत में औद्योगिक विकास – औद्योगिक नीति 1956 एवं 1991 सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रम एवं उनकी स्थिति, निजीकरण एवं विनिवेशीकरण वाद–विवाद, लघु पैमाने के क्षेत्र, बीमार इकाईयों की समस्याएं और अर्थव्यवस्था का ज्ञान। छत्तीसगढ़ के उद्योगों की सामान्य समस्याएं।

संदर्भ ग्रंथ :–

1. Ahulwalia I.J. and Im.D. Little (Ed). 1999 : India's Economic Reforms and Development (Eassays Honor of Manohar Singh) Oxford University Press New York.
2. Bardhan P.K. (9th Edition 1998) : The Political Economy of Development India, Oxford University Press, New Delhi.
3. Bawa R.S. and Raikhy (Ed. 1997) : Structural Change in Indian Economy. Guru Nanak Dev University Press Amritsar.
4. Dontwala M.L. (1996) : Dilemmans Growth : The Indian Experience, Saga Publications, New Delhi.

10.07.2025 Ishwari

अर्थशास्त्र

सत्र 2025–26

सेमेस्टर – I

औद्योगिक अर्थशास्त्र

(Industrial Economics)

प्रश्नपत्र – पंचम

PECCT-105

कुल अंक 80

न्यूनतम अंक 16

इकाई – 1	औद्योगीकरण की परिभाषा एवं आवश्यकता। औद्योगीकरण की अवस्थाएं एवं निर्धारक तत्व। अल्प–विकसित देशों में औद्योगिक समस्याए एवं दूर करने के उपाय। औद्योगिक स्थानीकरण से आशय एवं प्रभावित करने वाले घटक। औद्योगिक स्थानीकरण के सिद्धांत–अल्फ्रेड वेबर एवं सार्जेन्ट फलोरन्स।
इकाई – 2	औद्योगिक इकाई अथवा फर्म का आकार, प्रभावित करने वाले घटक, आकार की माप, अनुकूलतम फर्म की अवधारणा। भारत की औद्योगिक नीति 1991 एवं बाजार की नई प्रवृत्तियां–उदारीकरण, निजीकरण एवं भूमण्डलीकरण।
इकाई – 3	औद्योगिक वित्त –भारत में औद्योगिक विकास हेतु सुलभ वित्तीय संस्थाएं–आई.डी.बी.आई., आई.एफ.सी. , आई.एस.एफ.सी. एवं एस.आई.डी.सी., व्यापारिक बैंकों की भूमिका। उद्योगों में विवेकीकरण से आशय, लाभ व हानि।
इकाई – 4	औद्योगिक संघर्ष – कारण, परिणाम एवं दूर करने के उपाय। श्रम कल्याण एवं सामाजिक सुरक्षाएं। भारत के लघु एवं कुटीर उद्योग। छत्तीसगढ़ में उद्योगों का केंद्रीयकरण एवं औद्योगिक विकास की संभावनाएं।

संदर्भ ग्रंथ :–

1. Ahluwalia L.J. (1985), Industrial Growth in India. Oxford University Press, New Delhi.
2. Kuchhai S.C. (1980) Industrial Economy of India (5th Edition). Chaitanya Publishing House, Allahabad.
3. औद्योगिक अर्थशास्त्र – डॉ कुलश्रेष्ठ लोक भारतीय प्रकाशन इलाहाबाद।
4. औद्योगिक अर्थशास्त्र – डॉ पी.सी. सिन्हा/पुष्पा सिन्हा नेशनल पब्लिशिंग हाउस इलाहाबाद।
5. Barthwal R.R. (1985) Industrial Economics, Weley Ltd. New Delhi.
6. Cherunilam, F. (1994) Industrial Economics : India Perspective (3rd Edition) Himalaya Publishing House, Mumbai.

10.07.2025

Ishwari

अर्थशास्त्र
सत्र 2025–26
सेमेस्टर – I
कृषि अर्थशास्त्र
(Agriculture Economics)
वैकल्पिक प्रश्नपत्र – पंचम
PECCT-106

कुल अंक 80

न्यूनतम अंक 16

इकाई – 1	सामान्य परिचय – कृषि अर्थशास्त्र का अर्थ, परिभाषा, विकास, क्षेत्र । कृषि तथा आर्थिक विकास, भूमि संसाधन महत्व तथा सीमाएं। फसल प्रणाली – विभिन्न प्रकार, लघु प्रणाली तथा वृहद् प्रणाली। कृषि उत्पादन का मापन (उत्पादकता) फसल तथा फसल उत्पादन के तरीके। कृषि प्रणाली।
इकाई – 2	सिंचाई– अर्थ, स्त्रोत, महत्व तथा सिंचाई के प्रकार। सिंचाई परियोजना, सिंचाई परियोजना हेतु वित्त व्यवस्था। नदी जल विवाद। कृषि हेतु वित्त – कृषि क्षेत्र में पूंजी प्रदाय का तरीका, कृषि कर का राजकोषीय दृष्टि से महत्व, कृषि निर्यात तथा आयात। कृषि निर्यात हेतु संस्थागत सहायता।
इकाई – 3	कृषि श्रम – परिभाषा, विशेषताएं, प्रकार, महत्व । कृषि श्रम की मांग तथा पूर्ति। कृषि श्रम का विकास। कृषि श्रम की कार्यक्षमता, न्यूनतम मजदूरी अधिनियम, कृषि मजदूरी की नीतियां।
इकाई – 4	कृषि तकनीक – तकनीक की आधारभूत अवधारणा – कृषि तकनीक अन्तरण। कृषि तकनीक के प्रकार। कृषि तकनीक का कृषि समस्या पर प्रभाव। कृषि में नवप्रवर्तन का प्रयोग। कृषि मूल्य – कृषि मूल्य हेतु स्थायित्व की आवश्यकता, उद्देश्य एवं नीति, कृषि लागत तथा मूल्य हेतु आयोग – कार्य तथा संगठन।

संदर्भ ग्रंथ :–

1. Basil P-C." Agricultural Programmes of India.
2. Bhatnagar O. Pand Desai G.R. "Management of Agricultural Extension.
3. Benjamin R.E. Harisharan S.V. Karunakaran. "Economics of Agriculture".
4. Dhingra 1.C. "Indian Economic Problem".
5. For. Ster-G.W. and Leager Meroc" Elements of Agricultural Economics

10.07-2025

Ishwari

अर्थशास्त्र
सत्र 2025–26
सेमेस्टर – II
व्यष्टि आर्थिक विश्लेषण
(Micro Economic Analysis)
प्रश्नपत्र – प्रथम
PECCT - 201

कुल अंक 80
न्यूनतम अंक 16

इकाई – 1 सीमांत विश्लेषण का आलोचनात्मक मूल्यांकन, बामोल का बिक्री आय अधिकतमीकरण मॉडल, विलियमसन का प्रबंधकीय मॉडल, मैरिस का प्रबंधकीय उद्यम मॉडल, पूर्ण लागत कीमत निर्धारण नियम, बेन का सीमा–कीमत निर्धारण सिद्धांत और इसके नवीन विकास सिद्धांत साइलोस–लेबिनी मॉडल सहित, फर्म का व्यवहारवादी मॉडल।

इकाई – 2 वितरण का नव प्रतिष्ठित दृष्टिकोण और सामान्य संतुलन, सीमांत उत्पादकता सिद्धांत, उत्पाद समाप्ति प्रमेय, तकनीकी स्थानापत्ति की लोच, तकनीकी प्रगति और साधन अंश, अपूर्ण उत्पाद और साधन बाजार में वितरण के सिद्धांत, लगान, मजदूरी, ब्याज और लाभ का निर्धारण।

इकाई – 3 कल्याण मापन में समस्याएं – प्रतिष्ठित कल्याणकारी अर्थशास्त्र, पीगू का कल्याणकारी अर्थशास्त्र परेटो का अनुकूलतम शर्ते, मूल्य–निर्णय, सामाजिक कल्याण फलन, ऐरो का सिद्धांत, क्षतिपूर्ति सिद्धांत, काल्डोर हिक्स, अनुकूलतम कल्याण प्राप्त करने में असमर्थता बाजार की अपूर्णताए, लिटिल सिद्धांत।

इकाई – 4 आंशिक एवं सामान्य संतुलन, वालरस का आधिक्य मांग एवं आगत–निर्गत दृष्टिकोण, संतुलन एवं सामान्य संतुलन का अस्तित्व, स्थिरता एवं अनुपमेयता, फर्म का करारोपण एवं संतुलन।

संदर्भ ग्रंथ :–

1- Sen, A. (1990) Micro Economic Theory and Application, Oxford University Press, New Delhi
2- Stigler, G (1996) Theory of Price (4th Edition) Prentice Hall of India, New Delhi.
3- Varian, H. (2000) Micro Economic Analysis, W.W.Norton, New York.
4- Bamol, Wj. (1982) Economic Theory and Operations Analysis, Prentic Hall of India, New Delhi.
5- Hirshleifer, T. And A. Glezer (1977) Price Theory and Application Prentice Hall of India, New Delhi.

Ishwari.

10.07.2025

अर्थशास्त्र

सत्र 2025–26

सेमेस्टर – II

समष्टि आर्थिक विश्लेषण

(Macro Economic Analysis)

प्रश्नपत्र – द्वितीय

PECCT - 202

कुल अंक 80

न्यूनतम अंक 16

इकाई – 1 स्फीति के सिद्धांत–स्फीति के प्रतिष्ठत, कीन्सयन एवं मुद्रावादियों के दृष्टिकोण स्फीति का संरचनात्मक सिद्धांत, फिलिप्स वक्र विश्लेषण, अल्पकालीन एवं दीर्घकालीन फिलिप्स वक्र विश्लेषण, बेरोजगारी की प्राकृतिक दर की परिकल्पना, टोबिन का परिष्कृत फिलिप्स वक्र, स्फीति का नियन्त्रण (गतिहीन स्फीति)

इकाई – 2 व्यापार चक्र–व्यापार चक्र के सिद्धांत, व्यापार चक्र की विशेषताएं व्यापार चक्र के प्रकार एवं सिद्धांत, व्यापार चक्र का मनोवैज्ञानिक सिद्धांत, हाट्र का मौद्रिक सिद्धांत, शुम्पीटर, कीन्स, हिक्स, सैम्मुलसन कालडोर के सिद्धांत।

इकाई – 3 मौद्रिक नीति–मौद्रिक नीति का अर्थ, मौद्रिक नीति के उपकरण मौद्रिक नीति के उद्देश्य, मौद्रिक नीति की सीमाएं, मौद्रिक नीति एवं आर्थिक विकास नवप्रतिष्ठित समष्टि अर्थशास्त्र मौद्रिक नीति की कार्यविधि, अंतर्राष्ट्रीय मौदिक प्रणाली, अंतर्राष्ट्रीय तरलता की समस्या, एस.डी.आर. एवं नई अंतर्राष्ट्रीय आर्थिक व्यवस्था।

इकाई – 4 राजकोषीय नीति–राजकोषीय नीति का अर्थ राजकोषीय नीति के उपकरण, राजकोषीय नीति के उद्देश्य, सीमाएं, राजकोषीय नीति एवं आर्थिक विकास, राजकोषीय नीति के प्रभाव, भारत की राजकोषीय नीति, मौद्रिक एवं राजकोषीय नीतियों का मिश्रण।

संदर्भ ग्रंथ :–

1. मेक्रो अर्थशास्त्र – टी.टी. सेठी
2. मेक्रो आर्थिक विश्लेषणक्र – वार्ष्णेय एवं मिश्रा
3. Jka R- – Contemporary Macro Economics Theory and Policy
4. समष्टिगत आर्थिक विश्लेषण – मिश्रा एवं गुप्ता
5. समष्टि अर्थशास्त्र – जी.सी. सिंघई
6. समष्टिगत अर्थशास्त्र – वी.सी. सिन्हा

Ishwari

10.07.2025

अर्थशास्त्र

सत्र 2025–26

सेमेस्टर – II

शोध प्रविधि एवं कम्प्यूटर विश्लेषण

(Research Methods & Computer Analysis)

प्रश्नपत्र – तृतीय

PECCT - 203

कुल अंक 80

न्यूनतम अंक 16

इकाई – 1	शोध प्रविधि एवं शोध विधियॉ। शोध– अर्थ एवं शोध के प्रकार । सांख्यिकी शोध के विभिन्न चरण। आकडे– अर्थ, प्राथमिक एवं द्वितीयक आंकड़े। प्राथमिक समंक संकलन की रीतियाँ, द्वितीयक समंक। प्राथमिक तथा द्वितीयक समको का संपादन। आंकड़ों का वर्गीकरण तथा सारणीयन – अर्थ–उद्देश्य, प्रकार एवं आंकड़ों का सारणीकरण।
इकाई – 2	प्रश्नावली – अर्थ, महत्व तथा प्रश्नावली का निर्माण। निदर्शन – अर्थ तथा न्यादर्श की आवश्यकता। समग्र तथा न्यादर्श अर्थ एवं विधियां। निदर्शन की रीतियॉ – दैव निदर्शन तथा अदैव निदर्शन। न्यादर्श का आकार। निदर्शन के गुण तथा सीमाएं। निदर्शन की विभिन्न रीतियॉ।
इकाई – 3	परिकल्पना – अर्थ, विशेषताएँ एवं प्रकार। सार्थकता परीक्षण–बड़े न्यादर्श (केवल सैद्धांतिक) एवं छोटे न्यादर्श। स्टूडेण्ट का 'T' परीक्षण। 'F' परीक्षण एवं काई वर्ग परीक्षण।
इकाई – 4	कम्प्यूटर – अर्थ, कम्प्यूटर के विभिन्न प्रकार, कम्प्यूटर की विशेषताएँ, कम्प्यूटर का इतिहास, कम्प्यूटर के विभिन्न भाग–हार्डवेयर तथा साफ्टवेयर, आर्थिक अनुसंधान में कम्प्यूटर का उपयोग। इंटरनेट की प्रांरभिक जानकारी।

संदर्भ ग्रंथ :–

1. Kothari, C.R. Research Methodology.
2. Sharma, Dr. Ramnath, Methods and Techniques of Social Survey and Research, A Rajhans Publication.
3. Bajpai, Dr. S.R. Methods of Social Survey and Research, Kitab Ghar Kanpur – 3.
4. मुखजी, रविन्द्रनाथ, सामाजिक शोध एवं सांख्यिकी, विवेक प्रकाशन, जवाहर दिल्ली–7
5. शुक्ला एवं सहाय, सांख्यिकी के सिद्धांत साहित्य भवन पब्लिकेशन, आगरा

10.07.2025

Ishwari

अर्थशास्त्र
सत्र 2025–26
सेमेस्टर – II
भारतीय आर्थिक नीति
(Indian Economic Policy)
प्रश्नपत्र – चतुर्थ
PECCT - 204

कुल अंक 80

न्यूनतम अंक 16

इकाई – 1 भारत में नियोजन – उद्देश्य एवं व्यूहरचना एल.पी.जी (उदारीकरण, निजीकरण एवं वैश्वीकरण) विकास के मॉडल, बारहवीं पंचवर्षीय योजना, विकास के लिए निचले स्तर की संगठन पंचायतें, स्वैच्छिक संगठन (NGO'S), नीति आयोग ।

इकाई – 2 गरीबी और असमानता की समस्या – गरीबी का अर्थ, माप एवं भारत में गरीबी के अनुमान, अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर गरीबी, आय की असमानता की तुलना, गरीबी उन्मूलन योजनाएँ और उनकी असफलताओं के कारण, छत्तीसगढ़ में गरीबी, भारत में बेरोजगारी की समस्या, बेरोजगारी का स्वरूप, बेरोजगारी दूर करने के लिए किए गए विभिन्न प्रयास, महात्मा गाँधी राष्ट्रीय रोजगार गारंटी कार्यकम, (मनरेगा)

इकाई – 3 भारतीय अर्थव्यवस्था में लोक वित्त – राजकोषीय संघवाद, केन्द्र–राज्य वित्तीय संबंध, वित्त आयोग के 14 वीं रिपोर्ट का विश्लेषण, 15 वीं वित्त आयोग, केन्द्र राज्य में वित्तिय विरोधाभास, सुधार के संबंध में केलकर रिपोर्ट, भारत मे वित्तीय क्षेत्र में सुधार।

इकाई – 4 भारतीय अर्थव्यवस्था का बाह्यक्षेत्र – विदेशी व्यापार की संरचना एवं दिशाएं, भारत का भुगतान संतुलन, आयात निर्यात की नीति, भारतीय रूपये का बाह्य मूल्य एवं विदेशी विनिमय कोष, फेमा (विदेशी विनिमय प्रबंध अधिनियम), भारत में व्यापार–सुधार। विश्व व्यापार संगठन एवं भारत।

संदर्भ ग्रंथ :–

1. Bardhan P.K. (9th Edition 1998) : The Political of Development India. Oxford University Press, New Delhi.
2. Bawa R.S. and Raikhy (Rd. 1997) : Structural Change in Indian Economy, Guru Nanak Dev University Press, Amritsar.
3. Chakravarty. S. (1987) Development Planning: The Indian Experience, Oxford University Press, New Delhi
4. Dontwala M.L. (1987) : Dilemmans Growth: The Indian Experience, Saga Publications, New Delhi.

Sd
10-07-2025

Ishwari,

अर्थशास्त्र
सत्र 2025–26
सेमेस्टर – II
श्रम अर्थशास्त्र
(Labour Economics)
प्रश्नपत्र – पंचम
PECCT - 205

कुल अंक 80

न्यूनतम अंक 16

इकाई – 1 श्रम अर्थशास्त्र – परिभाषा, क्षेत्र व महत्व। श्रम बाजार एवं भारत में श्रम बाजार की विशेषताएं, भारतीय श्रमिकों की विशेषताएं एवं प्रवासी प्रवृत्ति – कारण, प्रभाव एवं दूर करने के उपाय।

श्रमिकों का जीवन स्तर – भारत में श्रमिकों का जीवन स्तर एवं उसकी कार्यकुशलता। श्रम नीति – भारत में श्रम नीति के उद्देश्य, महत्व व विशेषताएं।

इकाई – 2 भारतीय उद्योगों में विवेकीकरण। मजदूरी भुगतान की रीतियां– समयानुसार मजदूरी एवं कार्यानुसार मजदूरी। मजदूरी के सिद्धांत – न्यूनतम मजदूरी नीति उचित मजदूरी नीति एवं जीवन निर्वाह मजदूरी सिद्धांत ।

इकाई – 3 भारत में श्रमिक संघ आंदोलन की उत्पत्ति वर्तमान समस्याएं एवं उन्हें दूर करने के उपाय। सामूहिक सौदेबाजी – भारत में सामूहिक सौदेबाजी की आवश्यकता, औद्योगिक संघर्ष या विवाद – भारत में औद्योगिक संघर्ष के कारण, परिणाम एवं दूर करने के उपाय। भारत में बेरोजगारी के कारण, परिणाम व दूर करने के उपाय।

इकाई – 4 भारत में श्रम कल्याण – आशय, महत्व एवं सरकार द्वारा उठाये गये कदम। भारत में सामाजिक सुरक्षा – आशय, विशेषताएं एवं बेहतर बनाने के सुझाव। भारत में बाल एवं महिला श्रमिकों की स्थिति। छत्तीसगढ़ में श्रम पलायन के कारण, प्रभाव व रोकने के उपाय।

संदर्भ ग्रंथ –

1. Hajela, P.D. (1998) Labour Restructuring in India : A Critique of The New Economic Policies, Common Wealth Publishers, New Delhi.
2. Papola, T.S.P. Ghosh and A.N. Sharma (Eds) (1993) Labour, Employment and Relations in India B.R. Publishing Corporation, New Delhi.
3. वी.सी. सिन्हा – श्रम अर्थशास्त्र
4. श्रम समस्याएं व सामाजिक सूरक्षा डॉ एस.सी. सक्सेना।

10.07.2025 Ishwari

अर्थशास्त्र
सत्र 2025–26
सेमेस्टर – II
ग्रामीण – सहकारिता
(RuralCo-operation)
वैकल्पिक प्रश्नपत्र – पंचम
PECCT - 206

कुल अंक 80

न्यूनतम अंक 16

इकाई – 1	सहकारिता – उत्पत्ति, उद्देश्य तथा विकास। सहकारिता का अर्थ तथा विशेषताएं। सहकारिता के सिद्धांत अर्थ तथा विभिन्न घटक। भारत में सहकारिता का इतिहास तथा विकास।
इकाई – 2	पंचवर्षीय योजना में सहकारिता की प्रगति। ग्रामीण साख तथा सहकारिता। कृषि साख समितियां, उद्देश्य, इतिहास, संगठन तथा पंजीयन। कृषि साख समितियों का कार्य क्षेत्र तथा उनकी जिम्मेदारिया। कृषि साख समितियों की वित्तिय स्थिति तथा उसमें वाणिज्यिक बैंको का योगदान।
इकाई – 3	कृषि क्षेत्र की बहुउद्देश्यीय सहकारी समितिया – बड़े आकार की समितियां – प्राथमिक समिति की प्रगति, कृषक सेवा समितियो की कार्यप्रणाली। बैंको का आकार तथा कार्य क्षेत्र, कार्यप्रणाली। केन्द्रीय सहकारी बैंकों की कठिनाईया तथा कार्य प्रणाली में सुधार के सुझाव।
इकाई – 4	भूमि विकास बैंक आवश्यकता. वर्गीकरण। भारत में भूमि विकास बैंक का विस्तार। राज्य सहकारी बैंक – आवश्यकता तथा कार्य। राज्य सहकारी बैंक की कार्यशील पूँजी के स्त्रोत, राज्य सहकारी बैंक का प्रबंध, सहकारी क्षेत्र के बैंको का प्रबंधन ।

संदर्भ ग्रंथ :–

1- Co-Operation - B.S. Mathur
2- Rural Development In India - Dr. D.C. Pant
3- Economic Development In India - C.B. Mamaoria
4- Industrial Economics - V.C. Sinha
5- Agriculture Co-Operation Marketing Rural Development- Agrawal & Jain
6- Rural Development - I. Satya Sundram
7- Rural Finance - Bhagirath & Singh
8- Indian Economics - A.N. Sachdeva Basu

10.07.2025

Ishwari.

अर्थशास्त्र

सत्र 2025–26

सेमेस्टर – III

वृद्धि का अर्थशास्त्र

(Economics of Growth)

प्रश्नपत्र – प्रथम

PECCT - 301

कुल अंक 80

न्यूनतम अंक 16

इकाई – 1 आर्थिक वृद्धि – आर्थिक वृद्धि एवं विकास, आर्थिक वृद्धि की माप, आर्थिक वृद्धि को प्रभावित करने वाले तत्व, विकास की बाधाएँ, मानव विकास निर्देशांक, संयुक्त राष्ट्र मानव विकास निर्देशांक, जेण्डर विकास सूचकांक, जीवन की भौतिक गुणवत्ता का सूचकांक।

इकाई – 2 पूंजी उत्पाद अनुपात का विचार, अदा–प्रदा विश्लेषण, परियोजना मूल्याकन लागत–लाभ विश्लेषण, परियोजना मूल्यांकन की विधियॉं, छाया कीमत।

इकाई – 3 विकास के सिद्धांत – मार्क्स का मॉडल, शुम्पीटर का विकास मॉडल, कींस का विकासवादी सिद्धांत, महालनोबिस का चारक्षेत्रीय मॉडल। लुईस का श्रम की असीमित पूर्ति का सिद्धांत। हेरोड – डोमर मॉडल।

इकाई – 4 विकास के सिद्धांत – कालडोर का विकास मॉडल, श्रीमती जॉन रॉबिन्सन का पूँजी संचय सिद्धांत, सोलो मॉडल। रैनिस एवं फाई का मॉडल। लाभ तथा विकास का पेसिनेटी मॉडल, तकनीकी परिवर्तन का मॉडल ।

संदर्भ ग्रंथ :–

1. Todaro, M.P. (1996) (6th Edition) Economic Development Longman, London.
2. Solow R.M.(2000), Growth Theory An Exposition, Oxford University Press, Oxford.
3. Sen A.K. (E.D.) 1990, Growth Economic Denguin Harmonds Worth.
4. Dasgupta Pa.K. Sen And Marglin (1972) Guide Lines for Project Evalution Unido, Vienna.
5. Ghatak's (1986) An Introduction to Development Economics, Allon & Clnein London.
6. Behrman S. and T.N. Shrinivasan (1995) Hand Book of Development Economics Vol. 1,2 & 3.

अर्थशास्त्र

सत्र 2025–26

सेमेस्टर – III

अंतर्राष्ट्रीय व्यापार

(International Trade)

प्रशनपत्र – द्वितीय

PECCT - 302

कुल अंक 80

न्यूनतम अंक 16

इकाई – 1 अंतर्राष्ट्रीय व्यापार का सिद्धांत – अंतक्षेत्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय व्यापार का अर्थ एवं अंतर के कारण, अंतर्राष्ट्रीय व्यापार अन्तर्क्षेत्रीय व्यापार की एक विशेष दशा के रूप में, अंतर्राष्ट्रीय व्यापार का विशुद्ध सिद्धांत – निरपेक्ष लागत लाभ का सिद्धांत, रिकार्डों का तुलनात्मक लागत सिद्धांत, अवसर लागत सिद्धांत, मिल का प्रतिपूरक मांग का सिद्धांत।

इकाई – 2 अंतर्राष्ट्रीय व्यापार का हैक्शर–ओहलिन सिद्धांत, साधन कीमत समानीकरण सिद्धांत, स्टॉपलर –सैम्युलसन प्रमेय, तुलनात्मक लागत एवं हैक्शर ओहलिन सिद्धांत का आनुभविक परीक्षण। व्यापार की शर्ते – अवधारणा, व्यापार की शर्तों का निर्धारण, व्यापार की शर्तों को प्रभावित करने वाले तत्व, व्यापार की शर्त एवं आर्थिक विकास, अल्पविकसित देशों के लिए इसकी आनुभविक संगतता तथा नीति संबंधी आशय, व्यापार की शर्ते एवं कल्याणकारी आशय।

इकाई – 3 संरक्षण – हस्तक्षेप का सिद्धांत, आयात शुल्क, अभ्यंश (तटकर, कोटा एवं गैर तटकर रूकावटे), राष्ट्रीय आय, उत्पादन, उपभोग, कीमत, रोजगार, व्यापार की शर्तों एवं आय वितरण पर तटकर एवं अभ्यंश का प्रभाव, आय वितरण पर प्रशुल्क संबंधी स्टॉपलर सैम्यूलसन प्रमेय, प्रशुल्क का माप, अनुकूलतम प्रशुल्क, कल्याणकारी प्रभाव, आयात अभ्यंश विरूद्ध प्रशुल्क, गैर तटकरीय प्रतिबंध।

इकाई – 4 भुगतान संतुलन – अर्थ एवं भुगतान संतुलन के घटक, भुगतान संतुलन में साम्यता एवं असाम्यता, भुगतान संतुलन में असाम्यता को ठीक करने के उपाय, विदेशी व्यापार गुणक, बैकवाश प्रभाव (Back-wash effect) विदेशी विनिमय दर, तात्कालिक एवं अग्रिम (Spot and forword) विनिमय दर, स्थिर एवं परिवर्तनशील विनिमय दरें – उनके गुण–दोष, तैरती विनिमय दरें (Floating). प्रबंधित विनिमय दरें।

संदर्भ ग्रंथ :–

1- V.C. Sinha - अंतर्राष्ट्रीय अर्थशास्त्र

2- अग्रवाल एवं बरला अंतर्राष्ट्रीय अर्थशास्त्र

3- Bhagwati.J. (Ed.) (1981) International Trad : Selected Readings, Cambridge University Press, Masachesetts.

4- Kindleberger, C.P. (1973) International Economics and International Economic Policy A Reader, Magraw Hill International, Singapore.

5- Dana, M.S. (2000) International Economics, International Thompson Publishing, New York.

अर्थशास्त्र
सत्र 2025–26
सेमेस्टर – III
लोकवित्त
(Public Finance)
प्रश्नपत्र – तृतीय
PECCT - 303

कुल अंक 80

न्यूनतम अंक 16

इकाई – 1 संगठित समाज में सरकार की भूमिका, अधिकतम सामाजिक लाभ का सिद्धांत करारोपण, विभिन्न प्रकार, करारोपण के सिद्धांत, कर विवर्तन, करारोपण के प्रभाव एवं कर भार, पूर्ण प्रतियोगिता व उत्पादन के नियमों के अंतर्गत कर–भार।

इकाई – 2 भारतीय कर व्यवस्था, प्रत्यक्ष व अप्रत्यक्ष कर, व्यक्तिगत आयकर, सम्पत्तिकर, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क एवं सीमा शुल्क भूमि व कृषि पर कर, भारत में वस्तु एवं सेवा कर (GST), करदान क्षमता, भारत के कर सुधार।

इकाई – 3 सार्वजनिक व्यय – सार्वजनिक व्यय के विभिन्न रूप, भारत में सार्वजनिक व्यय का ढांचा एवं वृद्धि, केन्द्रीय सरकार के व्यय की प्रवृत्तियों उत्पादन व वितरण पर सार्वजनिक व्यय के प्रभाव, सार्वजनिक व्यय में वृद्धि के सिद्धांत वैगनर का सिद्धांत, पीकाक वाइजमैन परिकल्पना, विकास मूल सिद्धांत ।

इकाई – 4 क्षैतिज व उर्ध्व असंतुलन, संसाधनों व अनुदान का हस्तांतरण, केन्द्र से राज्यों को ससाधनों का हस्तांतरण, केन्द्र व राज्य से स्थानीय निकायों को संसाधनों का हस्तांतरण, स्थानीय वित्त, लोक आय वर्गीकरण एवं स्त्रोत, विकास वित्त–विकास वित्त के स्त्रोत, भारत में विकास संबंधी वित्त व्यवस्था।

संदर्भ ग्रंथ :–

1. लोकवित्त – जे.सी. वार्ष्णेय
2. लोकवित्त – जे.पी. मिश्र
3 लोकवित्त – डॉ. एस. के. सिंह
4 राजस्य – पंत
5. राजस्व – नागर एवं शर्मा

10.07.2025 Ishwari

अर्थशास्त्र
सत्र 2025–26
सेमेस्टर – III
पर्यावरणीय अर्थशास्त्र
(Environmental Economics)
प्रश्नपत्र – चतुर्थ
PECCT - 304

कुल अंक 80

न्यूनतम अंक 16

इकाई – 1 पर्यावरण – संघटन एवं वर्गीकरण, मानव– पर्यावरण संबध पर्यावरण असंतुलन, पर्यावरण प्रदूषण– जल, वायु तथा ध्वनि प्रदूषण, ग्रामीण शहरी प्रदूषण, प्रदूषण नियंत्रण, पर्यावरण एवं आर्थिक विकास, पर्यावरण कुजनेट्स परिकल्पना।

इकाई – 2 पर्यावरण संरक्षण अधिनियम जल, वायु एवं वन संरक्षण अधिनियम। भारत की पर्यावरण नीति, पर्यावरण शिक्षा, ग्लोबल वार्मिंग एव जलवायु परिवर्तन, ग्रीन हाउस प्रभाव, भूमि, वन संसाधन तथा प्रदूषण समस्या, पर्यावरण एवं पारिस्थितिकी, सामाजिक वानिकी एवं वनभूमि प्रबंधन ।

इकाई – 3 जनसंख्या एवं पर्यावरण – जनसंख्या वृद्धि एवं आर्थिक विकास, जनांकिकी संक्रमण एवं पर्यावरण, ग्रामीण–शहरी जनसंख्या एवं पर्यावरण, जनसंख्या नीति, गरीबी एवं पर्यावरण, प्राकृतिक संसाधन –नवीनकृत एवं अनवीनीकृत संसाधन, जनसंख्या वृद्धि एवं पर्यावरण, जनसंख्या वृद्धि एवं विभिन्न देशों में विषमता।

इकाई – 4 पर्यावरण अर्थशास्त्र – पर्यावरण–अर्थशास्त्र संबंध एवं संतुलन, पर्यावरणीय उपयोग, मूल्य एवं गैर उपयोग मूल्य, पर्यावरणीय मूल्यांकन–लागत–लाभ विश्लेषण विधि, पर्यावरण संरक्षण एवं धारणीय कृषि विकास, खाद्य सुरक्षा, पर्यावरणीय समस्या एवं संपत्ति अधिकार, पर्यावरण एवं विश्व व्यापार संगठन।

संदर्भ ग्रंथ :–

1- Madhurar - Environment Economics

2- Steve Baker - Environment Economics

3- D.W. Pearce - Environment Economics

4- Bournol W.J. and W.E. Oats - (1998) : The Theory of Environment Policy, (2nd Ed.) Cambridge University Press, Cambridge

5- Blaugm.- (1972) : Introduction to Economics of Education.

6- World Development Report 2010 : Poverty Development & Environment.

10.07.2025

Bhwani

अर्थशास्त्र
सत्र 2025–26
सेमेस्टर – III
जनांकिकी
(Demography)
प्रश्नपत्र – पंचम
PECCT - 305

कुल अंक 80

न्यूनतम अंक 16

इकाई – 1 जनांकिकी – अर्थ, क्षेत्र, विषय सामग्री, महत्व। जनसंख्या के सिद्धांत माल्थस से पूर्व जनसंख्या संबंधी सिद्धांत, माल्थस का जनसंख्या सिद्धांत। जनसंख्या का अनूकूलतम सिद्धांत। जनांकिकीय संक्रमण का सिद्धांत। जनसंख्या पिरामिड।

इफाई – 2 जनसंख्या का स्थानातरण / देशांतर – आशय, प्रकार कारण एव प्रभावित करने वाले तत्व। स्थानांतरण के परिणाम एवं बाधाएं। देशांतरण तथा नगरीकरण। भारत में नगरीकरण – कारण व प्रभाव। भारत में जनसंख्या का आकार, वृद्धि दर, घनत्व एवं प्रवृत्ति ।

इकाई – 3 प्रजनन / जनन क्षमता – आशय, प्रजननशीलता के निर्धारक तत्व। प्रजनन दर के प्रकार – आयु विशेष प्रजनन दर, सामान्य प्रजनन दर, कुल प्रजनन दर एवं सकल प्रजनन दर। भारत में उच्च प्रजनन दर के कारण। मृत्युक्रम – अर्थ महत्व एवं सीमाएं। भारत में मृत्यु दर की प्रवृत्तियाँ, भारत में उची मृत्यु दर के कारण एवं जन्म के समय जीवन प्रत्याशा ।

इकाई – 4 छत्तीसगढ़ की जनांकिकी – जनसंख्या की प्रवृत्ति, स्त्री–पुरुष अनुपात साक्षरता दर, जनसंख्या वृद्धि दर एवं जनसंख्या वितरण। जनसंख्या का केन्द्रीयकरण। छत्तीसगढ़ में जनस्थानांतरण के कारण व प्रभाव। छत्तीसगढ़ में नगरीकरण की प्रवृत्ति, कारण व प्रभाव ।

संदर्भ ग्रंथ :–

1 Agrawal, S.N. India's Population Problem's Tata Mc-Graw Hill Co. Bombay

2. Bogue, Dj., Principles of Demography Honwiley, New York.

3. Sinha, V.C. And Pushpa Sinha, Principles of Demography Mayor Paper Backs.

4. Mishra, Dr. Jaiprakash, Demography Sahitya Bhawan Publications. Agra

5. Pathak, K.B. And F.Ram Techniques of Demographic Analysis Himalaya Publishing House.

6. Jhingan, M.L. And Others, Demography Vrinda Publications (P) Ltd.

7. Srinivasan, K. Basic Demographic Techniques And Applications, Saga Publications.

10.02.2025

Ishwari

अर्थशास्त्र

सत्र 2025–26

सेमेस्टर – IV

विकास एवं नियोजन का अर्थशास्त्र

(Economics of Development and Planning)

प्रश्नपत्र – प्रथम

PECCT - 401

कुल अंक 80

न्यूनतम अंक 16

इकाई – 1 आर्थिक नियोजन – अर्थ, उद्देश्य, आवश्यकता। भारत में योजनाओं की उपलब्धियां, असफलता एवं नियोजन की व्यूह रचना। भारत में बारहवी पंचवर्षीय योजना (2012–2017) के अंतर्गत पूंजी की उपलब्धता, प्राथमिकता एवं विकास दर, नीति आयोग।

इकाई – 2 विकास के मार्ग – गरीबी एंव गरीबी का दुश्चक्र। बड़े धक्के का सिद्धांत। लीविन्सटीन का क्रांतिक न्यूनतम प्रयास सिद्धात। संतुलित तथा असंतुलित विकास। नेल्सन का निम्न संतुलन पाश सिद्धांत।

इकाई – 3 आर्थिक विकास में विनियोग मापदण्ड – सामाजिक सीमांत उत्पादकता मापदण्ड। पूँजी प्रतिस्थापन मापदण्ड। पुर्नविनियोजन मापदण्ड। सेन का पूनर्विनियोजन कालश्रेणी मापदण्ड। आर्थिक विकास एवं राजकोषीय नीति मौद्रिक नीति।

इकाई – 4 विकास की समस्याएं – भारत में गरीबी, आय की असमानता एवं बेरोजगारी की स्थिति। सतत् विकास– अवधारणा एवं विकासशील देश के संदर्भ में इसकी आवश्यकता। बहुराष्ट्रीय निगम एवं विकासशील देश। भारत में बहुराष्ट्रीय निगमों की भूमिका। विश्व बैंक एवं भारत।

संदर्भ ग्रंथ :–

1. Todaro, M.P. (1996) (6th Edition) Economic Development Longman. Londan.
2. Solow R.M (200), Growth Theory An Exposition, Oxford University Press, Oxford.
3. Sen A.K. (E.D.) 1990 Growth Economic Denguin Harmonds Worth.
4. Dasgupta P.A.K. Sen and Marglin (1972) Guids Lines For Project Evaluation Unido, Vienna.
5. Ghatak (1986) An Introduction To Development Economic, Allon And Cincin London.
6. Behrman S. And T.N. Shrinivas (1995) Hand Book of Development Economics Vol. 1,2.

10.07.2025

Ishwari.

अर्थशास्त्र
सत्र 2025–26
सेमेस्टर – IV
अंतर्राष्ट्रीय अर्थशास्त्र
(International Economics)
प्रश्नपत्र – द्वितीय
PECCT - 402

कुल अंक 80

न्यूनतम अंक 16

इकाई – 1 क्षेत्रीय गुटों का सिद्धात – आर्थिक सहयोग का प्रकार एक सीमा संघ और स्वतंत्र व्यापार क्षेत्र के स्थैतिक और प्रावैगिक प्रभाव, सार्क (SAARC), साप्टा (SAPTA) और आसियान (ASEAN) इब्सा (IBSA) ब्रिक्स (BRICS) और बिम्सटेक (BIMSTEC) क्षेत्रों के आर्थिक विकास की तार्किकता।

इकाई – 2 यूरोपीय संघ (EU) और (NAFTA) क्षेत्रीयतावाद, बहुपक्षीयकरण एवं विश्व व्यापार संगठन, विश्व व्यापार संगठन के कार्य (TRIPS, TRIMS, कृषि, बाजार पहुँच Market Access, वस्त्र, पेटेंट अधिकार) WTO का मंत्री स्तरीय सम्मेलन, UNCTAD.

इकाई – 3 अल्पकालीन एवं दीर्घकालीन पूंजी की गतिशीलता का सिद्धांत और अंतर्राष्ट्रीय व्यापार (1) पोर्ट फोलियो निवेश और अंतर्राष्ट्रीय व्यापार (2) प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (FDI) और अंतर्राष्ट्रीय व्यापार। अंतर्राष्ट्रीय व्यापार में दीर्घकालीन पूंजी गतिशीलता के गुण व दोष, अंतर्राष्ट्रीय पूंजी गतिशीलता को प्रभावित करने वाले तत्व, पूर्वी एशियाई संकट तथा विकासशील देशों के लिए शिक्षा, अंतर्राष्ट्रीय तरलता, अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष।

इकाई – 4 भारत के दृष्टिकोण से विश्व व्यापार संगठन और विश्व बैंक भारत की पिछले पांच दशकों की व्यापार नीतिया, व्यापार की दिशा और संरचना में हाल के परिवर्तन और उनके आशय, 1991 से व्यापारिक सुधारों की तार्किकता और भुगतान संतुलन पर प्रभाव, भारत की अंतर्राष्ट्रीय ऋण की समस्याए, भारत की निर्यात नीतियां, भारत में बहुराष्ट्रीय निगमों का कार्यकरण और नियमन।

सदर्भ ग्रंथ –

1. V.C. Sinha – अंतर्राष्ट्रीय अर्थशास्त्र

2. अग्रवाल एवं बरला – अंतर्राष्ट्रीय अर्थशास्त्र

3. Bhagwati J. (Ed.) (1981) International Trade Selected Readings, Cambridge University Press Masachusetts.

4. Kindlebergter. D.P. (1973) International Economics and International Economic Policy A Reader, Magraw Hill International, Singapore.

5. Dana, M.S. (2000) International Economics : Study Guide and Work Book (5th Edition) Routledge Publishers, London.

Ishwari

16.07.2025

अर्थशास्त्र
सत्र 2025–26
सेमेस्टर – IV
लोक अर्थशास्त्र
(Public Economics)
प्रश्नपत्र – तृतीय
PECCT - 403

कुल अंक 80

न्यूनतम अंक 16

इकाई – 1 राजकोषीय नीति, अल्पविकसित देशों में राजकोषीय नीति के उद्देश्य आर्थिक स्थिरता व राजकोषीय नीति, राजकोषीय नीति व पूर्ण रोजगार केन्द्र सरकार के बजट का विश्लेषण, भारत में बजट व बजटीय प्रक्रियाएं, शून्य आधारित बजट। हीनार्थ प्रबंधन–अर्थ, उद्देश्य, प्रभाव, सीमाएं।

इकाई – 2 सार्वजनिक ऋण– सार्वजनिक ऋण के विभिन्न स्त्रोत, सार्वजनिक ऋण का शोधन, सार्वजनिक ऋण के आर्थिक प्रभाव, सार्वजनिक ऋण का भार, ऋण के सिद्धांत सार्वजनिक ऋण का प्रबंधन व पुनर्भुगतान, भारत में सार्वजनिक ऋण की वृद्धि।

इकाई – 3 संघीय वित्त व्यवस्था, भारत में संघीय वित्त व्यवस्था, केन्द्र राज्य वित्तीय संबंध, वित्त आयोग, 14 वें एवं 15 वें वित्त आयोग की रिपोर्ट, गाडगिल फार्मूला, संघीय वित्त के सिद्धांत।

इकाई – 4 छत्तीसगढ़ सरकार के बजट का विश्लेषण, वित्तीय प्रशासन, केन्द्र तथा राज्य सरकार की आय के साधन, स्थानीय वित्त। छ.ग. की कर योग्य व गैर कर योग्य आय, छ.ग. में लोक व्यय का ढांचा व वृद्धि।

सदर्भ ग्रंथ –

1. लोकवित्त – जे.सी. वार्ष्णेय
2. लोकवित्त – जे.पी. मिश्र
3. लोकवित्त – डॉ. एस. के. सिंह
4. राजस्व – पंत
5. राजस्व – नागर एवं शर्मा

Ishwari,

10.07.2025

अर्थशास्त्र
सत्र 2025–26
सेमेस्टर – IV
कल्याणवादी अर्थशास्त्र तथा सामाजिक क्षेत्र
(Welfare Economics & Social Sector)
प्रश्नपत्र – चतुर्थ
PECCT - 404

कुल अंक 80

न्यूनतम अंक 16

इकाई – 1 कल्याणवादी अर्थशास्त्र – परिभाषा एवं प्रकृति। वास्तविक अर्थशास्त्र एवं कल्याणवादी अर्थशास्त्र, सामान्य कल्याण एवं आर्थिक कल्याण, व्यक्तिगत कल्याण एवं सामाजिक कल्याण। सामाजिक कल्याण के मापदण्ड – बेंथम का मापदण्ड, काल्डोर हिक्स का क्षतिपूर्ति मापदण्ड।

इकाई – 2 सामाजिक कल्याण फलन – परिभाषा एवं विशेषताएं, पेरेटो का अनुकूलतम मापदण्ड एवं कल्याण अधिकतम की दशायें। पूर्ण प्रतियोगिता एवं संतुलन की दशायें। एकाधिकार एवं अनुकूलतम सामाजिक कल्याण। सार्वजनिक वस्तुएं बनाम निजी वस्तुएं।

इकाई – 3 शिक्षा का अर्थशास्त्र – परिचय एवं अवधारणा। आर्थिक विकास में शिक्षा का महत्व। शिक्षा पर व्यय एवं शिक्षा का प्रतिफल। शिक्षा एवं राष्ट्रीय विकास। मानव पूंजी निर्माण अथवा बौद्धिक पूंजी निर्माण–महत्व एव स्त्रोत। मानव पूंजी निर्माण के उपाय।

इकाई – 4 स्वास्थ्य का अर्थशास्त्र – स्वास्थ्य का अर्थ, महत्व एवं आवश्यक तत्व। स्वास्थ्य रक्षा के विभिन्न घटक। भारत सरकार द्वारा स्वास्थ्य रक्षा हेतु किये जा रहे प्रयास। पर्यावरण एवं मानव स्वास्थ्य–सामान्य परिचय, प्रदूषण से उत्पन्न स्वास्थ्य समस्याएं।

संदर्भ ग्रंथ :–

1. Dr. P.k. Shriwastava, environment studies (2004) Singhai Publishurs Raipur
2. Gopinath kalbhor, pollution control & environmental awareness (2000) Jyoti prakashan Jaipur
3. Madhu Raj – Environmental Economics.
4. Bromely, D.W.(Ed.) 1955 : Hand book of Environmental Economics, Blackwell, London
5. Cohn, E. and T.Gaske (1989) Economics of Education, Pergamon Press, London.

10.07.2025

Ishwari

अर्थशास्त्र
सत्र 2025–26
सेमेस्टर – IV
प्रोजेक्ट रिपोर्ट एवं मौखिक परीक्षा
(Project & Viva-Voce)
PECCT - 405

कुल अंक 100

50 अंक Project में तथा 50 अंक Viva-Voce में है। इस प्रकार कुल 100 अंक में से अंक दिये जायेंगे।

Ishwari.

10.07.2025